(ग) इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्या समय निर्धारित किया गया था, इन्हें पूरा करने में कितना विलंब हो गया है तथा इस विलंब के परिणामस्वरूप लागत में कितनी वृद्धि हुई है; और

(घ) इन परियोजनाओं को पूरा करने के काम में तेज़ी लाने के लिए सरकार क्या समयबद्ध कार्यक्रम बना रही है?

रेल मंत्री (श्री सी॰के॰ जाफर शरीफ): (क) निर्माण कार्यक्रम में शामिल की गई परियोजनाओं पर निर्धारित कार्यक्रम तथा धन की उपलब्धता के अनुसार प्रगति हो रही है। प्राथमिक वाली परियोजनाओं की अलग से कोई सूची नहीं है।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

उपनगरीय रेल सेवाओं की समय-सारिणी का पालन किया जाना

7192. **श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उप-नगरीय रेल सेवा में रेलगाड़ियों के आगमन तथा प्रस्थान के समय का प्रबंध ठीक नहीं है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

रेल मंत्री (श्री सी॰के॰ जाफर शरीफ): (क) और (ख) उपनगरीय गाड़ियों का समयपालन कुल मिलाकर संतोषजनक है, तथापि, उपनगरीय गाड़ियां परिचालनिक तथा रेलों के नियंत्रण से बाहर के कारकों यथा आंदोलनों, शरारती गतिविधियों, समयपारों पर बाधाओं आदि के कारण कभी-कभी विलंब से चलती हैं, चूंकि गाड़ियां कम अंतराल पर चलती हैं, एक गाड़ी की आंशिक रुकावटी से अन्य गाड़ियों पर, जो पीछे-पीछे चलती हैं, चक्र प्रभाव पड़ता है। उपनगरीय गाड़ियों के चालन पर संबंधित प्राधिकारियों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाती है और समयपालन को बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया जाता है।

रेलवे की आय को बढ़ाने के लिए योजनाएं

7193. **श्री संघ प्रिय गौतम:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रेलवे की आय को बढ़ाने तथा राजस्व की हानि को रोकने के लिए नई प्रविधियां अपनाकर संचालन संबंधी लागत तथा खर्चे को कम करने हेतु कोई योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में कितनी सफलता प्राप्त हुई है;

(ग) क्या इस संबंध में किसी परामर्शदाता संगठन के माध्यम से कोई सर्वेक्षण कराया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम प्राप्त हुआ है?

रेल मंत्री (श्री सी॰ के॰ जाफर शरीफ): (क) और (ख) आमदनी बढ़ाना तथा परिचालिक लागतों/खर्चों में कमी करना, रेलों का एक सतत प्रयास है। इसके लिए भारतीय रेलें, अतिरिक्त यातायात जुटाने के लिए कारगर विपणन नीतियां बनाने, पण्यों के टिकट यात्रा पर नियंत्रण करने, बकायों की प्रभावी रूप से वसूली करने, गतिविधियों की शून्य आधारित समीक्षा करने, ऊर्जा संरक्षण, परिसंपत्तियों के उपयोग में सुधार सभी लाइन तथा गैर-लाइन संबंधी गतिविधियों की लागत पर नियंत्रण/उनमें कमी आदि करने जैसे विभिन्न उपाय कर रही है।

इसके परिणामस्वरूप, परिचालन अनुपात में 1990-91 के 92.0 प्रतिशत से 1994-95 में 83.5 प्रतिशत (लगभग) तक सुधार कर पाना और संचालन व्ययों को नियंत्रित कर पाना संभव हुआ है जैसा कि नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:-

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	ब.अ.	वास्तविक	कमी बेशी (वास्तविक -ब.अ.)
1990-91	8241	8234	-7
1991-92	9180	9209	+29
1992-93	10460	10480	+20
1993-94	11955	11760	-195
1994-95	13307	12763*	-544

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Free rail passes and medical facilities to dependant guardians of Railway employees

7194. SHRI SANGH PR1YA GAUTAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what are the facilities extended to the dependant guardians and other family members